भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 06–02–2021

सी.एफ.एल.डी. दलहन–तिलहन प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन

दि. 06–02–2021 को भाकृअनुप–अटारी कानपुर द्वारा सी.एफ.एल.डी. दहलन–तिलहन प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा एवं केवीके द्वारा अतिरिक्त बचे हुए क्षेत्र की मांग हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। अटारी निदेशक डा. अतर सिंह द्वारा कार्यशाला की अध्यक्षता की गई। इसकी जानकारी भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह द्वारा दी गई।

कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के सी.एफ.एल.डी.–दलहन से जुड़े 74 कृषि विज्ञान केन्द्र एवं सी.एफ. एल.डी.–तिलहन से जुड़े 83 कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्षों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्रों ने अपने दलहन/तिलहन के प्रदर्शनों की जानकारी दी, एवं क्षेत्र की मांग की। बजट की स्थिति एवं प्रगति दर्शाने हेतु प्रस्तुतिकरण किया।

भाकृअनुप–अटारी निदेशक डा. अतर सिंह ने कहा कि जो क्षेत्र शेष रह गया है उसे जायद ऋतु में पूरा करें। दलहन के अन्तर्गत 402 हैक्टेयर क्षेत्र बचा है जो ग्रीष्मकालीन उर्द व मूँग से पूर्ण करना है। तिलहन अन्तर्गत 841 हैक्टेयर क्षेत्र बचा है, अतः केवीके ने जायद तिलहनी फसलों हेतु सूरजमुखी अथवा मूँगफली की मांग की। कृषि विज्ञान केन्द्रों को दहलन–तिलहन प्रदर्शनों को आयोजित करने हेतु अतिरिक्त क्षेत्रफल देने के लिये अटारी निदेशक द्वारा केवीके अध्यक्षों से उनके क्षेत्र में दलहन–तिहलन का कितना क्षेत्र पहले से है, कितना बचे हुए क्षेत्रफल से चाहते हैं, बजट की क्या स्थिति है, इत्यादी जानकारी मांगी गई और केवीके द्वारा अतिरिक्त क्षेत्र की मांग की गई जिसे अनुसरण किया गया।

कार्यशाला में भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह, श्री के.एन. गुप्ता–वित्त सलाहकार, वैज्ञानिक, उ.प्र. के कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्षों, आ.न.दे. कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अयोध्या के निदेशक प्रसार सहित कुल 69 प्रतिभागी आनलाइन जुड़े। कार्यशाला में वरिष्ठ शोध अध्येता निखिल विक्रम सिंह एवं श्री मोहिल कुमार सहायक रहे। कार्यशाला के अन्त में निदेशक भाकृअनुप–अटारी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान
संस्थान (अटारी), कानपुर
ICAR-Agricultural Technology Application
Research Institute (ATARI), Kanpur
ATARI